

वास्तो जवाब
 22/8/2017
 जमीन उपखण्ड हाजि / पत्र डी. ओ. साहब
 नये पर/दीमा. काय/अवकाश है। पत्रावली
 वास्तो जवाब 6/12/2017 को पेश हो:
 800 का की आज

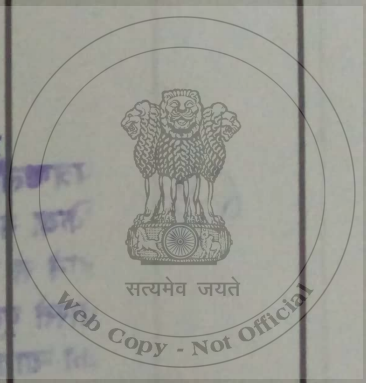
6.12.17 पत्रावली पेश की। जमीन उपखण्ड
 हाजि। पत्रावली हेतु अबकाश
 प्राप्त। अन्तिम अबकाश दिनांक
 21-6-18 को पेश हो।

(अभिषेक गोयल)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर,
 जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

6.3.18 पत्रावली पेश की। जमीन उपखण्ड
 हाजि। पत्रावली हेतु अबकाश
 प्राप्त। अन्तिम अबकाश दिनांक
 21-6-18 को पेश हो।

(अभिषेक गोयल)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर/
 जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

4.6.18 पत्रावली राष्ट्रपति लक्ष्मी अदालत-वाप
 आपके द्वार 2018 केम्य पत्रावली
 में पेश की। जमीन उपखण्ड हाजि
 जमीन अन्तिम अबकाश दिनांक
 प्राप्त जा कर दिनांक 21-6-18
 हेतु पत्रावली पेश की। पत्रावली



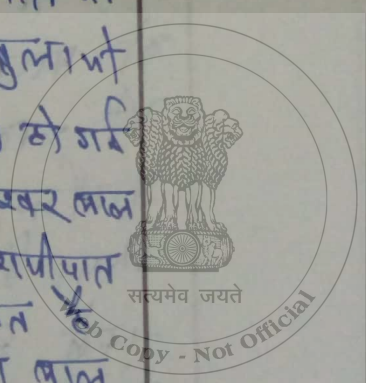
(अभिषेक गोयल)
 सहायक कलेक्टर एवं
 उपखण्ड अधिकारी, भूपालसागर,
 जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

ख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामील
में जारी हुए

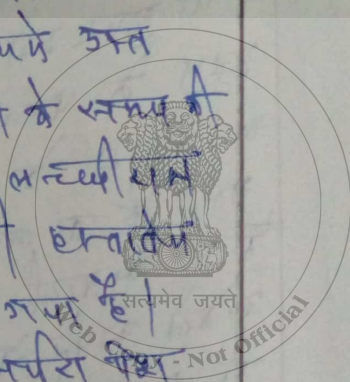
का अवलोकन । अखिल में बिवरण
वस्तु मन्तर है कि बीजा पारामा पं० ह०
पारामा नहरवील मूपातलजाना की आ० न०
५००५, ५००५, ५०६५, ५०१२, ५४९४
५९०३, ५९०७ खिद्यत है । उक्त आशपीपात
हम सार्वगिण व अ सार्वी १, २ के खपुंज
खातेहारी की वीतर कछपे काबत नी हैं व
लगान खपुंज पना कराते आ रहे है ।
यह कि उक्त आशपीपात के व निदान
पी के समय नी है पी हमारे पितापी
से पी गुपर गये है और के व निदान पी की
हलपु के पबचात उक्त आशपीपात का
लच्छीराम के पप में खगता खुलापत
गलत है व लच्छीराम की हलपु को गरि
है व अ सार्वी माधव लाल, रामेश्वर लाल
अकेले अपने नाम पर उक्त आशपीपात
ने कराने को आमाह है पी गलत है
पूठि लच्छीराम, गायुलाल व फोगा लाल
नीज खगे गरि में लच्छीराम पी हि.
२५.१०.१३ को गुपर गये है ।
अ सार्वीगिण के मन में खफनिधानी लालच
आ पाने ले अ सार्वीगिण खं एड ही उक्त
आशपीपात को अपने नाम पर कराने पर
आमाह है पबठि उक्त आशपीपात
हम सार्वीगिण की मीलकी है व वली
अनुमल कछपा वीतर काबत कर रहे है ।



(अभिषेक गोचल)
सहायक कलेक्टर एवं
उपखण्ड अधिकारी, भूपालनगर
चित्तौडगढ (राज.)

व्यक्तिगत हुक्म

उक्त मोरनी आवाजीपत पर हमारे सारे
 पी के समय से ही हम अलग रह कर
 कायत कर रहे हैं व लच्छीराम पी के
 सुपरने के पाह लच्छीराम के पुत्रों ने
 अपने नाम पर उक्त आवाजीपत को अपने
 पर आघदा है पत्र लि उन्हे ऐसा करने
 का कोई हक अधिकार नहीं है व हम
 प्राचीनता के अलग त्वाते 23 डिम्बा
 फर्मे कराया पावे। अतः प्राचीन अरुम अरु
 लच्छीराम, पुन्तगील करने पर आघदा है
 पिपले अतः प्राचीनता को अन्वयारी
 विशेषादा के पावक किं पाना अन्वयारी
 है। हमने सम्पूर्ण पत्रावली का
 अवलोकन किया। कि जरूर बहल या
 मयन किया। प्राचीनता अन्वयारी
 के हाल पत्रावली लगायी जरूर है
 उक्त अलग अन्वयारी हातावेत
 नहीं लगये जये है पिपले उक्त
 आवाजीपत देवदियन भी के अन्वयारी
 है तथा देवदियन पीके लच्छीराम
 ने प्राप्त कीये अन्वयारी अन्वयारी
 भी अन्वयारी नहीं किया गया है।
 प्राचीनता द्वारा या ही अन्वयारी
 किया है तथा या ही अन्वयारी
 नकले किया भी है। अतः प्रथम
 हातावेत अन्वयारी के पत्र मे जी
 करने के प्राचीनता पत्र अन्वयारी
 विशेषादा जारी किया जाता है।
 पत्रावली केवल सुपरने से ही
 से कम है। अतः पुनाया गया



मिथिल मोयल
 जज